आज़ादी का अमृत महोत्सव

# माघ मेला प्रयागराज – 2022

# वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर

**विभिन्न कार्यक्रम- सायं 3:00 से 6:00**

**पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)**

3/1, लाजपत राय रोड, नया कटरा, प्रयागराज । दूरभाष : 0532-2440795, 2440796

प्रत्येक वर्ष की भांति केन्द्र द्वारा इस वर्ष भी दिनांक 27.01.2022 से 15.02.2022 के मध्य माघमेला क्षेत्र प्रयागराज में ''वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर'' का आयोजन किया गया। शिविर में वानिकी तकनीकों की प्रदर्शनी के साथ प्रतिकार्य दिवस अपराह्न 3–5 बजे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सभाओं तथा कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। इस चेतना शिविर के माध्यम से विशेष रूप से 27 जनवरी, 02 फरवरी, 07 फरवरी तथा 15 फरवरी, 2022 को भारत के विभिन्न प्रदेशों से लगभग 5–6 हजार दर्शनार्थियों ने वानिकी तकनीकों का लाभ प्राप्त किया। यह गतिविधि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित हुयी।

वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर का उद्घाटन

शिविर का उद्घाटन दिनांक 27.01.2022 को हुआ। उद्घाटन समारोह में डा0 संजय सिंह, प्रमुख ने उपस्थित गणमान्यों को 15 दिनों तक चलने वाले शिविर में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की उन्नत वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन करने हेतु होने वाले कार्यक्रमों से अवगत कराते हुए कार्यक्रम में उपस्थित होने का आह्वान किया। उन्होने केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के निर्देशन में विभिन्न शोधछात्रों द्वारा तैयार मॉडलों के माध्यम से वानिकी प्रसार से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर द्वारा कृषिवानिकी अपनाने पर बल दिया गया जिसमें पॉपलर, यूकेलिप्टस, मीलिया–डूबिया आदि प्रजातियों पर चर्चा की गयी। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में उगाये जाने योग्य उपयोगी औषधीय पौधों तथा बाँस की प्रजातियों पर जानकारी दी।

विभिन्न मॉडलों का अवलोकन

दिनांक 02.02.2022 को विश्वविद्यालय/कालेज के छात्रों के लिए ''वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में अवसर'' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दूबे ने संगोष्ठी की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का परिचय दिया। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने वानिकी एवं पर्यावरण क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर संबोधन देते हुए प्रकृति तथा मानव जीवन को सुदृढ़ बनाने के लिए दोनो का स्तर बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होने मानव जीवन में वानिकी के हस्तक्षेप पर चर्चा की साथ ही वानिकी को बढ़ावा देने में परिषद के योगदान पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

अतिथि वक्ता के रूप में डा0 वैदुर्य प्रताप शाही, असि0 प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विभाग, वानिकी विश्वविद्यालय, शुआट्स, प्रयागराज ने वानिकी क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अवसर पर चर्चा करते हुए इनकी आवश्यकता तथा महत्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने भारतवर्ष में वानिकी शिक्षा ग्रहण हेतु संबन्धित शिक्षण संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों का वर्णन किया साथ ही वानिकी के क्षेत्र में विभिन्न रोजगारों से भी अवगत कराया। संगोष्ठी के समापन पर छात्रों तथा विषय विशेषज्ञों के बीच सामूहिक चर्चा के बाद संस्तुति प्रस्तुत की गयी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। संगोष्ठी में विभिन्न कालेजों के छात्र तथा शुआट्स के डा0 पी0के0 राय आदि उपस्थित थे।

वानिकी एवं पर्यावरण में अवसर पर संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र

दिनांक 07.02.2022 को कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए "आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी" विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराते हुए किसानों की आय को बढ़ाने में इसके महत्व पर भी प्रकाश डाला। डा0 संजय सिंह, प्रमुख ने कृषिवानिकी के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की जिसके अंतर्गत आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी में अधिक सम्भावनाएं बताया। अतिथि वक्ता के रूप में डा0 हेमंत कुमार, असि0 प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आँवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं सम्भावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कृषकों तथा अन्य प्रतिभागियों द्वारा सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया।

आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी कृषक प्रशिक्षण

शिविर के समापन दिवस पर दिनांक 15.02.2022 को उत्तर प्रदेश में बाँसः प्रवर्धन, प्रबंधन एवं विपणन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डा0 संजय सिंह, प्रमुख द्वारा कार्यक्रम विषय पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण तथा मानव जीवन में बाँस की अहम भूमिका पर व्याख्यान प्रस्तुत किया, साथ ही भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के विभिन्न संस्थानों व केन्द्रों में बाँस परियोजनाओं के माध्यम से इसके उत्पाद तथा पर्यावरण व आजीविका में इसके हस्तक्षेप पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक श्री आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में बाँस

को बढ़ावा देने पर बल दिया, साथ ही इसकी विभिन्न प्रजातियों से अवगत कराते हुए आवश्यक जलवायु पर विस्तृत चर्चा की। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने बाँस के माध्यम से आजीविका को बढ़ाने के क्रम में बाँस आधारित वस्तुओं तथा इसके विपणन हेतु उचित स्थान आदि बिन्दुओं पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अन्त में समूह गतिविधि तथा परस्पर संवाद के माध्यम से बाँस की खेती को बढ़ावा देने के साथ ही इससे पर्यावरण तथा मानव जीवन में लाभ व हानि आदि विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न किसानों तथा मेले में आये हुए दर्शनार्थियों ने बाँस की खेती तथा इसके उत्पाद सम्बन्धी विभिन्न जानकारियां केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों से प्राप्त की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर का समापन हुआ।

बाँसः प्रबन्धन, प्रवर्धन एवं विपणन पर प्रशिक्षण

केन्द्र के माघमेला स्थित वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर में प्रत्येक कार्य दिवस पर वरिष्ठ वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधकर्ताओं द्वारा मेले में विभिन्न प्रदेशों से आये हुए दर्शनार्थियों को वानिकी सम्बन्धित जानकारियां प्रदान करने के साथ ही पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने हेतु अनुसंधान पौधशाला में तैयार किये गये पौधों का वितरण भी किया गया। शिविर द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में केन्द्र के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र उपस्थित रहते थे।

FRCER

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA


F.R.C

# दैनिक अखबार

## कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए किसानों को एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं.)। पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा सम्भावनाएँ है जिन्हें कृषको को अपनाना होगा।केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओ से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ0 हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आँवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कृषको तथा अन्य लोगों से सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 कुमुद दुबे तथा आलोक यादव के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र-योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष, राहुल तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारी साथ आदि उपस्थित रहे।

## कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए किसानो को एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

प्रयागराज। पारिपुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी ' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानो की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानो की आय को बढ़ाने हेतु विभिन्न-बिन्दुओ पर चर्चा की तथा कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत मे उपस्थित कृषको तथा अन्य लोगों से सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 कुमुद दुबे तथा आलोक यादव के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र-योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष, राहुल तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारी साथ आदि उपस्थित रहे।

## कृषि वानिकी को बढ़ावा देने को किया प

**प्रयागराज (नि.सं.)।** पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आज आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानों की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व बताये। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने के लिये विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की। कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने बताया इस क्षेत्र के लिए गम्हार और आंवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएं हैं, जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा। वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओं से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आंवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत अंत में उपस्थित कृ सामूहिक चर्चा त स्थापित किया गया। कुमुद दुबे तथा आ विभिन्न परियोजनाओं योगेश अग्रवाल, शि आशीष आदि उपस्थि

# प्रयागराज 3

## कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए किसानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में 'आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी 'ड विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानो की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानो की आय को बढ़ाने हेतु विभिन्न-बिन्दुओ पर चर्चा की तथा कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने बताया इस क्षेत्र के लिए गम्हार और आँवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएँ है जिन्हें कृषको को अपनाना होगा।केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने

## वानिकी प्रसार शिविर का समापन

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से माघ मेला क्षेत्र में लगे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर के समापन मंगलवार को हुआ. इस अवसर पर उत्तर प्रदेश में बांस का प्रवर्धन प्रबंधन एवं विपणन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ. कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र प्रमुख डा संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. डा संजय सिंह ने कहा पर्यावरण तथा मानव जीवन में बांस की अहम भूमिका है. बांस से हम अपनी आय आसानी से बढ़ा सकते हैं.

## प्रशिक्षण में आंवला व गम्हार आधारित कृषि वानिकी पर की चर्चा

### वन अनुसंधान केंद्र की ओर से दिया गया प्रशिक्षण

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में सोमवार को आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने वानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इसके पहले कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोज डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने सभी को कार्यक्रम के विषय की जानकारी दी। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए वानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। बताया कि इस क्षेत्र में गम्हार और आँवला आधारित कृषि वानिकी में अपार संभावनाएं हैं। जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी की संभावनाओं की सभी को जानकारी देते हुए इसके उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में मौजूद असिस्टेंट प्रोफेसर वानिकी, शुआट्स डॉ. हेमंत कुमार ने आँवला आधारित कृषि वानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण में मौजूद कृषकों तथा अन्य लोगों के सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद के बीच कृषि में आने वाली समस्याओं पर चर्चा हुई। आखिर में डॉ. सत्येंद्र देव शुक्ल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे तथा आलोक यादव, शोध छात्र योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

## वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर पर बांस की खेती पर चर्चा

प्रयागराज। माघ मेले में पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर क गया। इस का प्रवर्ध विषय पर कार्यक्रम कार्यक्रम डॉ. संज वरिष्ठ प्रज्ज्वलन संजय सिं जीवन में व्याख्यान

## प्रवर्धन, प्रबंधन, विपणन पर दिया प्रशिक्षण

**प्रयागराज (नि.सं.)।** परि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघमेला स्थित वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर के समापन के उपलक्ष्य में आज उत्तर प्रदेश में बांस का प्रवर्धन प्रबन्धन एवं विपणन, विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारम्भ केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने कार्यक्रम विषय पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण तथा मानव जीवन में बांस की अहम भूमिका पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के विभिन्न संस्थानों व केन्द्रो में बांस परियोजनाओं के माध्यम से इसके उत्पाद तथा पर्यावरण व आजीविका में इसके हस्तक्षेप पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को बांस के विभिन्न प्रयोग से आजीविका को बढ़ाने का तरीका बताया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में बांस को बढ़ावा देने पर बल देने के साथ ही इसकी विभिन्न प्रजातियों से भी अवगत कराया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने बांस के माध्यम से आजीविका को बढ़ाने के लिये इससे तैयार विभिन्न वस्तुओं के विक्रय के लिये उचित माध्यम तथा स्थान से अवगत कराया। कार्यक्रम में एक समूह गतिविधि तथा परस्पर संवाद का भी आयोजन किया गया जिसके माध्यम से बांस की खेती को बढ़ावा देने के साथ ही इससे पर्यावरण तथा मानव जीवन में लाभ व हानि आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम में 50 से अधिक प्रशिक्षणर्थियों ने भाग लिया।